गोविन्द ...

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
30/5/08	पत्रावली पेश हुई। पी0ओ0 साहब अन्य सरकारी कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 12/6/08 को पेश हों।	
12/6/2018	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी हा०। बाजयाबी प्रार्थना पत्र पर वकील प्रार्थी को सुना गया। प्रार्थी अधिवक्ता की दलील है कि प्रार्थी दिनांक 6/9/2011 को नियत तारीख पेशी पर अपरिहार्य कारणों से उपस्थित नहीं आ सका क्योंकि उसके अधिवक्ता उपस्थित हुआ करते थे, वे कभी भी किसी वजह से उपस्थित नहीं हुए प्रार्थी ने इस सम्बन्ध में कोई तथ्य प्रस्तुत नहीं किये। प्रार्थी को दिनांक 25/1/2012 को जानकारी हुई और जानकारी होने के बाद ही नकल हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। दिनांक 30/1/12 को नकल मिलने के पश्चात बिना लापरवाही के प्रार्थना पत्र बाजयाबी दि० 27/2/12 को प्रस्तुत किया है, जो अंदर मियाद मानते हुए प्रा. पत्र स्वीकार किया जावे। मैंने पत्रावली का अवलोकन किया तथा प्रस्तुत साक्ष्य पर गौर किया। प्रार्थी का मूल	

फर्द अहकाम

गोविन्द ... बनाम ...

न्यायालय

संख्या

संख्या	दिनांक आक्षा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		वाद दिनांक 6.9.2011 को अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में खारिज हुआ है, प्रार्थना-पत्र निर्धारित समय में प्रस्तुत नहीं कर निम्न (समयावधि के बाद प्रस्तुत किया है, जिसे स्वीकार किया जाना न्यायोचित नहीं है) अतः प्रार्थना पत्र मियाद बाहर होने से खारिज किया जाता है, पत्रावली (फैसला अमल होकर दर्ज रजिस्टर से करके) बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। आदेश खुले न्या० दि० 12/6/2012 को सुनाया गया।	